nwda.gov.in

'यमुना में जल की अविरलता सुनिश्चित करें राज्य सरकारें'

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: वरिष्ठ विचारक के एन गोविंदाचार्य ने लाभांवित राज्यों से यमुना में जल की निश्चित अविरलता सुनिश्चित करने की मांग की है। उन्होंने पारदर्शिता और जन जागरूकता के लिए हरियाणा, दिल्ली व यूपी सरकार से श्वेत पत्र लाने की भी मांग की है, ताकि यह स्पष्ट हो सकें कि लोगों के उपयोग के लिए यमुना नदी से कितना जल निकाला जा रहा है और अविरलता के लिए कितना बरकरार रखा जा रहा है। उनके मुताबिक, नदी की अविरलता के लिए 60 से 70 प्रतिशत जल नदी में यथास्थिति में रखा जाना चाहिए। वह प्रेस क्लब में यमुना संसद द्वारा चार जून को यमुना को बचाने को लेकर आयोजित मानव श्रृंखला के संबंध में जानकारी देने को पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे।

के एन गोविंदाचार्य

उन्होंने यमुना की सहायक नदियों की अविरलता और स्वच्छता पर भी ध्यान देने की आवश्यकता पर बल दिया। जल जन जोड़ो अभियान के संयोजक और बुंदेलखंड में चार नदियों को पुनर्जीवित करने वाले डा. संजय सिंह ने कहा कि जलस्रोत के नदी हो जाने की पहली शर्त उसका प्रवाहित होना है। यमुना संसद सरकार से अपेक्षा करती है कि वह बताए कि यमुना में हथिनी कुंड और वजीराबाद से कितना पानी छोड़ेगी।

यमुना के तटों पर तैनात रहेंगे वालंटियर, गोताखोर

रविशंकर तिवारी ने बताया कि मानव श्रृंखला के बेहतर नियोजन के लिए वजीराबाद से कालिंदी कुंज के बीच आठ प्वाइंट (वजीराबाद, उस्मानपुर, पुराना लोहे का पुल, गीता कालोनी, आइटीओ, निजामुद्दीन, डीएनडी, कालिंदी कुंज) बनाए गए हैं। इसमें आइटीओ और कालिंदी कुंज पश्चिमी तट और बाकी सब पूर्वी तट पर होंगे। हर प्वाइंट पर सौ-सौ वालंटियर की टीम लगाई गई है। गोताखोर भी मौजूद रहेंगे।

एक लाख से अधिक लोग बनाएंगे मानव श्रृंखला: यमुना संसद के संयोजक रविशंकर तिवारी ने बताया कि दिल्ली में यमुना तट पर चार जून की शाम 22 किमी लंबी मानव श्रृंखला बनाई जाएगी। वजीराबाद से कालिंदी के बीच एक लाख लोग एक-दूसरे का हाथ थामकर खड़े होंगे और यमुना को अविरल और निर्मल रखने की शपथ लेंगे। अभी तक 1800 से अधिक संस्थाएं भी साथ आई हैं। यह अलग तरह का जन आंदोलन है। हम दिल्ली के लोगों ने परिश्रम व संसाधन पर पूरी मुहिम खड़ी की है। यमुना मित्र के तौर पर हर दिल्लीवासी इस मुहिम में साथ है। इस आंदोलन ने दलीय राजनीति की बंदिश को तोड़ा है।